वर्मो च भेरि द्वार क मी वर्ष्म मी द माश्यम <u>भ</u>माश

मोर:मानी

हेणाः वहंश ब्रीत बद बीबी पर्दे पर्द हिसाम। देवम प्यद्भादिव हिसामिक विकास महित्द रिवाली कार्या के विकास महित्द विकास कर किया के स्वापन के प्रवेश के विकास कर किया के प्रवेश के विकास कर किया के प्रवेश के विकास के प्रवेश के प्रवेश के विकास के प्रवेश के

देलर वर्जुचक्रीदास्तरा शुक्रमावश्यात्वन्त्रीस्त प्रदेशस्तरक्षिः साम् वर्ज्यमावेता शुक्रमाक्ष्या । देलर वर्जुचक्रीदास्तरमा शुक्रमावश्यात्वन्त्रीस्त प्रदेशस्तरमा साम् वर्ज्यमावेता शुक्रमावेद्वा क्षेत्र स्थानक्ष

हे पर निकारीया उत्तर वर्षे प्रकृत होना होना मुंदि पर पहें में पर प्रकृत महिता का अर्थे निकार के अर्थ अर्थन महिता की स्वापन के अर्थ अर्थ महिता के प्रकृत के स्वापन महिता के प्रकृत के स्वापन के स्वापन

देलरः मैगामनः क्ष्मीन्तरः व अधिव उद्देशलरः देवा दर्मात्रेर वृद्धिः देलरा ना हरः देव्हिर देलरः ना वे अधामना हो।

ट्रे.उत्तदक्ष.जग्न. ट्.जग्न.तर

उद्भानी द्री क्रूचा था जूर शामित अंग उद्दूश शामित अंग

£.æ2.0€1

≨.क्र्यःत

खुर्यसः दृष्ट्यान् मुक्तान्तर्ति मुक्तान्तर्ति क्रियान्त्रे क्रियान्त्रिक्तान्त्र्या प्रतिकार्यम् अस्ति क्रिया असर्पर्यम् वित्राच्यान्त्रे मुक्तान्तर्ति क्रियान्त्रे क्रियान्त्रे क्रियान्त्रे क्रियान्त्रिक्तान्त्र्यान्त्र असर्पर्यम् वित्राचन्त्रिकार्यम् क्रियान्त्रिकार्यम् क्रियान्त्रिकार्यम् क्रियान्त्रिकार्यम् क्रियान्त्रिकार्यम्

≆.क्ब∴रता

वर्षे नश्ची मा मा खा बी केरी द्रान्य द्रान्य द्रान्य द्रान्य हे व्यव के बाह्य द्रान्य हो व

ऋक्य.≈ना

उर्चा मध्य मात्र क्षेत्र स्ट. चंद्र मालूमा उत्तर मध्या अकूर्यान स्ट । चंद्र मालूमा द्वर अमाल उद्दे स्ट. चंद्र मालूमा क्षेत्र उत्तर मुक्त स्ट माना समा उत्तर स्यू

≆.क्य.लत

वर्चा चन्नी मा नः क्षेत्र स्टः भूमा क्रेट्रिन्दर माहिमा क्षेत्र क्रेट्रिन्दर प्रथम व्यवस्य प्रथम प्रवास प्रथम प्रवास विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विष

≆.क्थ.लता

ह्मिमा कु उरियामा के उतर सर. चार जि. उर्ची राष्ट्री कुष्य राष्ट्र रूप उर्द्ध के कूरा रीयर जूरी

≆.क्वं.जना

द्यमाना राजा श्वर क्रियाचन राज्य क्रियाचन प्राप्त क्रियाच क्रयाच क्रियाच क्रयाच क्रियाच क्रियच क्रियच क्रियच क्रियच क्रियच क्रियच क्रियच क्रियच क्रियच क्र

ऋक्व.≺न

≆.क्बं.७८ग

ह्मेनकार्यः अधिवत्तरः उद्द्यं तर्वरः उत्तरं युद्धः। द्रत्याञ्चा अत्तर्वाशायी लत्यः अधरः वन्तरं योधरः युश्यावायाश्चलरः उत्तरं युश्कृता

¥.क्⊈.‰ता

શુદ્રમાં માર્-સી. મુક્તિ નિવાન ને. તમારે તેથી ને.જા. ને.જી. તમાં મારા તમારા છે.જે. તરી મારા કું તેના મારા તેના મારા તમારા તમા તમારા તમા તમારા તમા તમારા તમા તમારા તમા તમારા તમા તમારા તમા તમારા તમા તમારા ત

\$.æ2.3371

शुक्रमा विकास निर्देश के मूक्ताम अव पर पर युद्रवर्ष विराजना बुद्रवृष्ण सम्मान के प्रमाण के प्रमाण के अप मार्गिय के अप

क्टान्नमञ्जूर्यक्रेयाचीन्यामञ्जूष्ट्य सम्मूर्य क्रेयाचेन्यक्रीयाचन स्वर्देश स्वमातः क्रेयान्द्र क्रियान्त्रम् क्रियान्त्रम् क्रियान्त्रम् क्रियान्त्रमञ्जूर्याचन सम्मूर्यक्रियान्त्रमञ्जूर्यान्त्रमञ्जूर्या

\$.æ2.35±1

શેર્દમાનાગુર એવર્સુન શેર્દમાન્દ્રની મન્દ્ર વાર્લન લિયાન્દ્રવર વેર્ડ વાર્વવાલે ફેવ અર્જે ક્લાન વર્ષ્ટની કેવ અર્જે કાર્યોન અલિયાન વાર્યોના અલિયાન વાર્યોના અલિયાન વાર્યોના અલિયાન વાર્યોના અલિયાના સ્વાનિયાના સ્વાનિયાન

¥.क्ष्यं.गेउता

शुर्मा न्यान अंति मैं नावन मंत्र नार्थय क्रिया अक्सा वित्य प्रित्त निष्ट स्था ना क्षेत्र क्रिया में में नार्थित कर स्था नवर क्रिया प्रियं प्र

शुरूमा न दश्चित्र प्रत्ये के प्राप्त न हैं में प्राप्त न वित्र न प्रत्ये न प्

≆.क्बं.७०त

शुर्म्था मा र जी. हिमा ब्रिट्र जना बिर्म तामा बाग जी. मिनायन मोवयामर सिमा ब्रिव जाय है हुर्स कूमा ताद हूम राम जूरी

हीर दूर्य स्ट उनुमानतु केवा में लान्य 'उद्धा मीट ही पूर्वाम क्रिन्यूम दूर्य स्ट नाधु १, जमा उर्यामानु में अपन्य में हिए मून्य में तीन स्वाप स्टीम अपन्य स्वीप में अपन्य में स्वाप स्वीप स्वाप स्वीप स्वाप स्वीप स्वाप स्वीप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वीप स्वाप स्

≆.क्बं.७५न

च.र.अश्राधरश.कुर्च्चरचर.लूरी

मी अन्तर देश ता कोर्ट तत्र तर अद्भुश विरश क्रूच रेचर कोर्ट ता जबू आक्रूचीता आक्षर श्री विरश अर्थ बुद्ध क्रूच रेचर कोर्ट ता जबू शुक्रूच

इ.क्ट्री,७८८

ज्य कूर्-त्य त्तृत्त्र्या न क्षय सः भ्राप्तान स्थापान क्षय सः भ्राप्तान प्राप्त क्ष्य सः देश स्थापान क्षय सः देश स्थापान क्षय सः देश स्थापान स

नानेव नर्षेमण वैनी घर नानेव नर्षेमण वै कीव मरीनाव नर्मोनामण छ र्यर सर सर स्थान छ वेना या की नाम की मार्थे स्थान ने

तन्तरक्दः न्रम्भारत्ने, भ्रान्नेवरम् मृष्टं वर्षाम् स्टर्जवेद्दरः अर नावित्तन्त्रमान्नेवाक्षवस्यकाः देक्ष्यम् स्टर्म्यकामानाम् क्रिक्षकः स्टमील स्प्रेवश्वर अन्तर्मिन्यस्य

≆.क्ष्यंगेजना

शुर्द्शत्मान्त्रः अ. रटःमेटः लट्वः इं.क्व्यंवटः अ. मैं ट्ट्र्याचरमार्ट्यार्ट्यार्ट्या

या र त्रीशायरः पर शुदु मैं रेट्श सूच रेचर जाग्जेश कु असूर कु चर्याया शुः कुर्य

±.æ20.0₹₽

चा न ले अपूर्व त्याथा महत्त्वे दिन सुभा ने महिता महिता महत्त्व के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वाप्त

#:444.06F

वारक्षेत्रकारकरभावि । कम्द्रित्यक्षेत्र वे कम्द्रित्यम्पर्वेत् । व्यन्तर्वेत्यम्पर्वे व्यन्तर्वेत् व्यन्तर्वेत् वारक्षर्वे प्रत्येक्षायकरभावि स्वत्यक्षेत्रं विष्युक्षायकर्षेत् ।

इ.क्ट्र.उल्ता

म.र.अ.खे.चर् स्ट.ज्य राद्र कूर्याय उड्डूम्य उड्डूम्य वी स्ट. कुर्याय राज्ये वीच र्यास्तर

चा.जी.त्तर.कूर्यायारा.कुर्या.वर.ठर्स्य.र्ट्या.स्यू.च्यया.कुर्याया.कुर्याया.कुर्याया.कुर्याया.कुर्याया.कुर्याया

इ.क्र्थ.उक्ता

श्रे मा माशुः मार विर्वे सुभावन क्षे मातुर सुर्वे वे वार शुः धर्मा मान दुः यानवार मी सेना अवामानसा विष्य वारत वारे वासवार में सेना मान स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स

श्रमान्त्रः यः अद्भिगामन् वरः श्रमान्त्रः अवन्य ह्रमा वर्षः अभ्यार्धेन दर्मा पद्भारतः वर्षः वर्षः

क्ष्, नाभरस्तु कूचालक्ष्य कार , र्रस्त्यरभञ्जक्षकुचनम्भरवृतु विभूत्रम्वानलाजन्यरंग्री भूजरकुम् जर्मे तर्मनितस्त्रमञ्जलकुक्षमञ्चन विभावत्त्रम् तर्द्र तर्द्र तर्द्र तर्द्र श्रिक्षम्यरं स्वाविद्यम्यरं नित्तान्त्रम्य। र्

£.42€4.53±11

अर् तत्राच्या कुर्यर्पत्रार्थ्य सं अभ्यानिक्या भाग्ने द्वर उन्नेत्रात्र भेर बीह्यर्पत्र अप्तानिक्या कर्त्र स्व उन्नेत्र भेर में क्षिले अभ्यानिक्या क्षेत्र क्षिले में क्षिले क्षिक्य में क्ष्या क्षेत्र क्षेत्

≆.क्वं.उस्ता

चा र.स. जै वानूचा उत्तर बुदुर्स. जै वानूचा वास्थाय भेर बुदुर्य तर्यन्त । र्जाला, जुवाल १ उत्वर्ष क्षे जैवानूचा ब्राचा वास्था क्षेत्र स्टर्स क्षेत्र प्रत्य अवस्था क्षेत्र स्टर्स क्षेत

मार.स. ब्रेम्थान्द्रभाष्ट्रीर तर. सर.सूद्रुः जै.मालूमा रर.ज्युक्त चतुः ररिजालूमाना ब्रूचा रम्मु तदु रचर क लूरी

া নালুনা কৰা স্থান প্ৰাপ্ত পৰ্য কৰি কৰি কৰি কৰিছে কৰিছ

क्र.क्य∴रुटा

चा.र.स. ८२अलूचालन्दर-प्रथमत्तुः जूसक्त्रं किंच त्तुः मैर्थन्त्रः विश्वस्थान क्षेत्रः विश्वस्थान्ते स्थान्त्रः स्यान्त्रः स्थान्त्रः स्था

इ.क्ष्यःउत्तर।

कदुर्जावलाभानानान्य अदुर्जावलाभानान्य जीव्या भानान्य द्वाप्ति अद्भाव तमानान्य ह्वाप्ता प्रमानि पुर्वे द्वाप्ता मानाज्ञ क्विप्ता स्वाप्ता मानाज्ञ क्विप्ता स्वाप्ता मानाज्ञ क्विप्ता स्वाप्ता मानाज्ञ क्विप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्

इ.क्ष्यं.४ल्त

त्मार्क् ती. रट. मूर्ट बा. ती. पेमा मूर्य या. ह पर्वेश या हिय है बाहे व है मूर्ट जमाना में पर्वेद रेगर क मूरी

≨.क्र्यंऽजन।

मा मा अपर नी हो है मा अभा महेद है। मी मार्गर राष्ट्र क्वं हमा पर हुँ भा प्रमा अपना अमा इया हेंद पर्देश क्वी क्षेट र्रेव पर कु मी केंद्र पर में होंच पर में होंग पर मार्ग

श्चर्यः १८।

चा र.स. चीरायासीचीरा वही बहार महिने हुं है अर्थे र सुन होने हुं है अर्थे र सुन हुं है अर्थे अर्थे र सुन हुं है अर्थे र सुन हुं

¥.क्⊈.उस्ता

मार सः स्टर्नर मी हेमा अम जूस मैं मान मान हु मुंदर पर स्वार स्वार हु मी स्वार जून

प्यमानक्षिताक्षेत्र समूत्यत्यः, क्षिमान्यत्याम् स्वाप्त्यत्याम् स्वाप्त्यत्याम् स्वाप्त्यत्याम् स्वाप्त्यत्याम् स्याप्त्रकृत्यत्यः स्वाप्त्यत्याम् स्वाप्त्यत्याम् स्वाप्त्यत्याम् स्वाप्त्यत्याम् स्वाप्त्यस्य स्वाप्तस्य स्वाप

र्वेन द्वर द्र द्र द्र द्र द्र द्र वा र वा है वी वर अग र जीव सुर वहंत्र बीट ही कैंवाल की द्वर द्र वा वि है अग प्रकाश विवास अग अवा केव व्यवसी केवा

इ.क्र्यॐता

चाममान्यमामान्यस्थानाः स्थितः स्थानस्थानाः स्थानस्थानाः स्थानस्य स्थानस्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थान